गीत प्यारे प्यारे

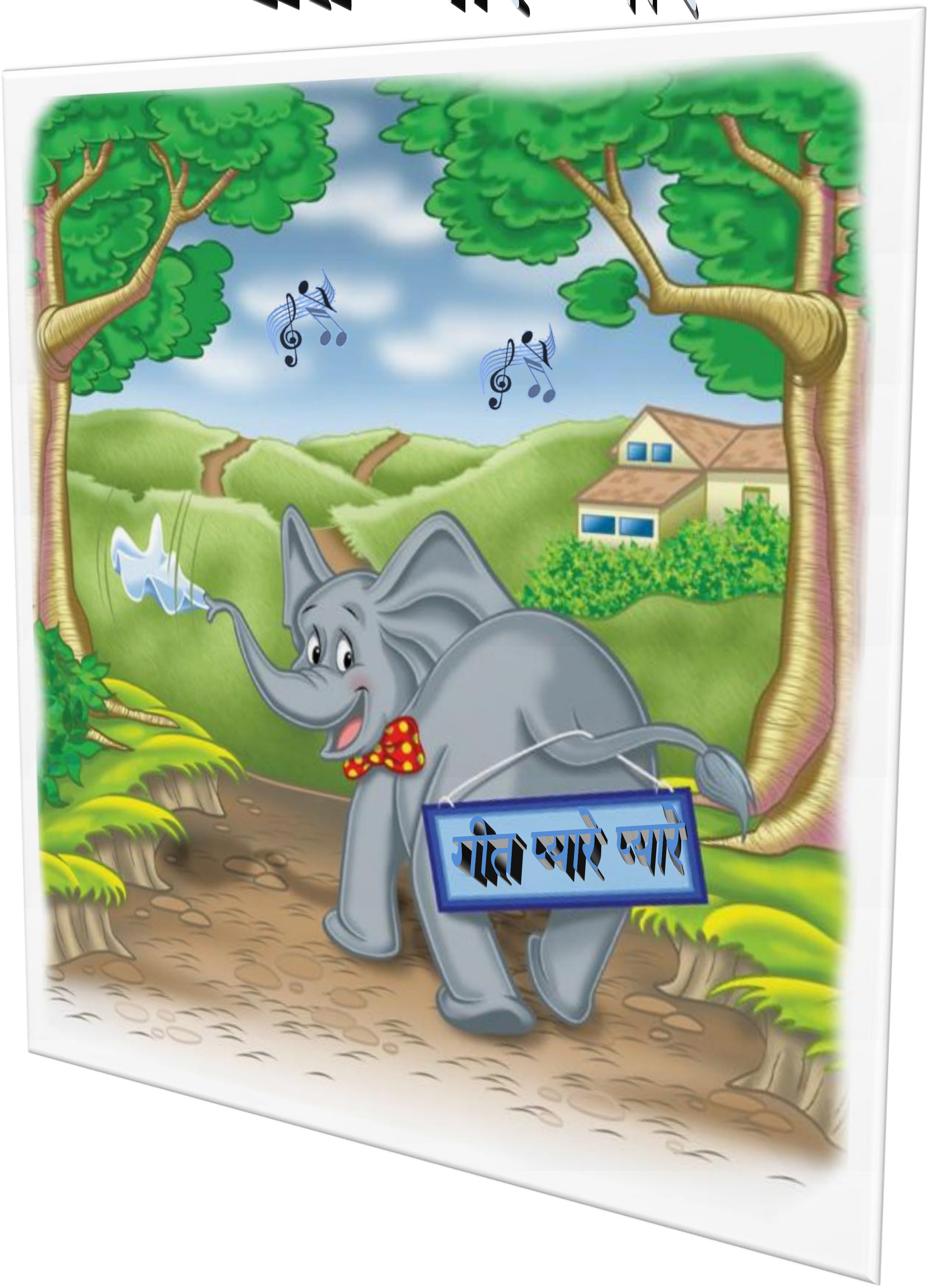

कुमुद नानी

ये गीत प्यारे प्यारे

मम्मी तुम मुझको सुनाओ

मौसी कहती मैं हूँ छोटा राजा,
नाम है मेरा ऐलक्स राज।
मम्मी कहती मैं हूँ राज दुलारा,
उनकी आँखो का तारा।

नानी कहती मैं हूँ प्यारा प्यारा,
उनको खूब हँसाता।
नानू कहते मैं हूँ सीधा साधा,
बिलकुल अपनी मम्मी जैसा।

तितली	५	सुंदर तितली	६
हाथी आया	७	हाथी राजा	८
मछली रानी	९	जंगल में शोर मचा	१०
नटखट चूहा	११	आता चूहा	१२
मेरी बिल्ली काली पीली	१३	बिल्ली को हो गया जुकाम	१४
बिल्ली के गले में घन्टी	१५	बिल्ली बोली चूहे राम	१६
भूखी बिल्ली	१७	बिल्ली चूहा भाई बंदर	१७
बिल्ली गई दिल्ली	१९	दो चूहे मोटे	२०
बिल्ली मौसी	२१	चूहिया रानी	२२
काले कौए ने	२३	बिल्ली खूब रोई	२४
कूत्ते की दावत	२५	चूहा चला चाँद को	२६
भालू की शादी	२७	शेर निराला	२८
भालू और बंदर	२९	बंदर मामा	३०
बंदर की शादी	३१	डाल पर बंदर	३२
गाजर उगाई	३३	गाना गाती चिड़िया रानी	३४
चूँ चूँ करती आई चिड़िया	३५	उफ मेरी माई	३६
रंग बिरंगी चिड़िया	३७	दाना लाई चिड़िया	३८
अपना घर सबसे प्यारा	३९	प्यासा कौआ	४०
चालाक बंदर	४०	चालाक खरगोश	४१
खीर पकाई	४२	कछुआ और खरगोश	४३

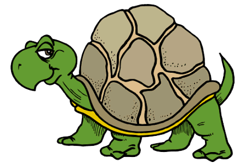

शेर और चूहा	४४	चालाक लोमड़ी	४५
गाँव का चूहा शहर चला	४६	चूँ चूँ चूहा	४७
मुर्गा और हीरा	४८	लोमड़ी और बकरी	४८
बेवकूफ बकरी दो	४९	मोर नाचा	५०
आलू बोला	५१	गाजर और टमाटर	५२
आलू कचालू	५२	टमाटर बड़ा मजेदार	५३
आलू की सगाई	५३	टमाटर आए जी	५४
यह तो है बादाम	५४	फल	५५
चंदा मामा दूर के	५६	चंदा मामा	५७
आसमान में निकले तारे	५८	सो जाओ बेबी	५९
रेलगाड़ी	६०	बारिश आई	६१
ऊपर छाता नीचे हाथी	६२	बच्चों की रेल	६३
चीकू चाचा ने केला खाया	६४	हाथी आता हाथी जाता	६५
मेरी रोटी किसने खाई	६६	ऊँट चला	६७
सुनाता हूँ एक कहानी	६८	खरगोश	६९
मैं हूँ नन्ही भेड़	७०	शेर है भाई शेर	७१
सब गोलम गोल है	७२	तोता	७३
गिनो मछली पांच	७४	सरकस आया	७५
तेज चली मेरी नाव	७६	उड़ी चली मेरी पतंग	७६
गुब्बारे लाया	७७	हम भाई हम	७८

तितली

सुबह सबेरे आती तितली,
फूल–फूल पर जाती तितली।
रंग बिरंगे पंख सजाये,
सबके मन को भाती तितली।

तितली आई, तितली आई,
रंग बिरंगी तितली आई।
फूल–फूल पर गाती फिरती,
नाच–नाच हर दिल बहलाती।

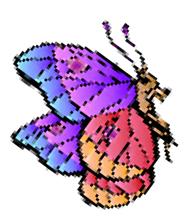

सुंदर तितली

बैठी फूल पर सुंदर तितली,

हँस कर मुझसे यूँ बोली,

फूल न तोड़ो, मुझे न छेड़ो,

छेड़ोगे, तो उड़ जाऊँगी,

पास कभी न आऊँगी।

हाथी आया

हाथी आया हाथी आया
सूड़ हिलाता हाथी आया

चलता फिरता हाथी आया
झूम झूम कर हाथी आया

हाथी राजा

हाथी राजा बहुत भले
कान हिलाते कहाँ चले
मेरे घर भी आओ ना
हलवा पूरी खाओ न
आओ बठो कुर्सी पर
कुर्सी बोली चटर मटर

मछली रानी

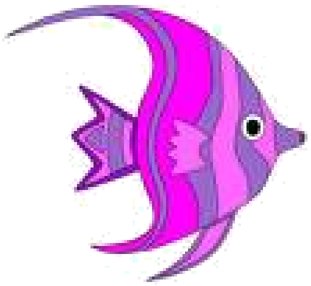

मछली जल की है रानी,

जीवन उसका है पानी,

हाथ लगाओ तो डर जायेगी,

बाहर निकालो तो मर जायेगी।

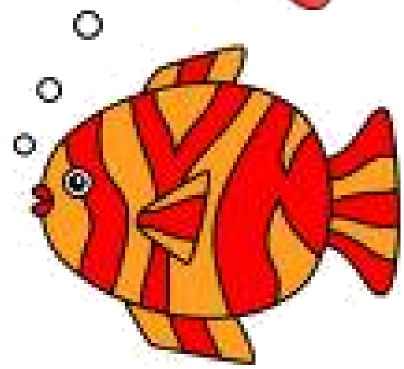

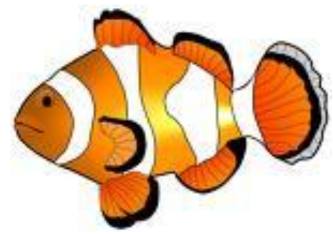

मछली रानी सुन सुन सुन

नही जाल में जाना तुम

अगर जाल में जाओगी

लौट नही फिर पाओगी

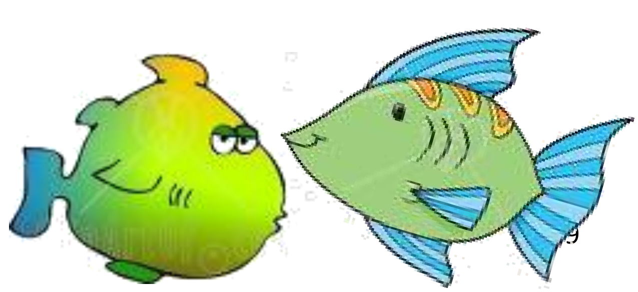

जंगल में शोर मचा

जंगल में शोर मचा,

जोर से ढोल बजा,

हाथी नाचा, शेर नाचा

भालू नाचा, चूहा नाचा

बिल्ली नाची, चिड़िया नाची

मेडक नाचे, चींटी नाची

और नाची मधुमक्खी।

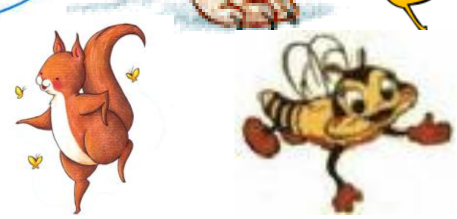

नटखट चूहा

नटखट चूहा टोपी वाला

रुम झुम करता, टप टप करता

ताली बजाता शोर मचाता

कूदता फांदता बिल में जाता

देखो देखो आता चूहा

आँखो को चमकाता चूहा

मूंछो मे मुस्काता चूहा

मक्खन बिस्कुट खाता चूहा

मोटर साइकिल चलाता चूहा

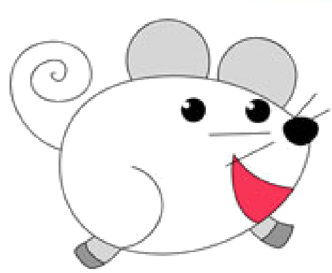

आता चूहा

चीकू चाचा चीकू चाचा

देखो घड़ी में नाचा चूहा

घड़ी ने बजाया एक

चूहा नीचे आया

चला सजधज के

बंदर के घर दावत खाने

खूब मिठाई खाएगा

मोटा होकर आएगा

बिल्ली से नही डरेगा

मेरी बिल्ली काली पीली

मेरी बिल्ली काली पीली

पानी मे हो गयी वो गीली

गीली हो कर लगी काँपने

आँछी आँछी लगी छींकने

मैं फिर बोली कुछ तो सीख

बिना रुमाल के कभी न छींक

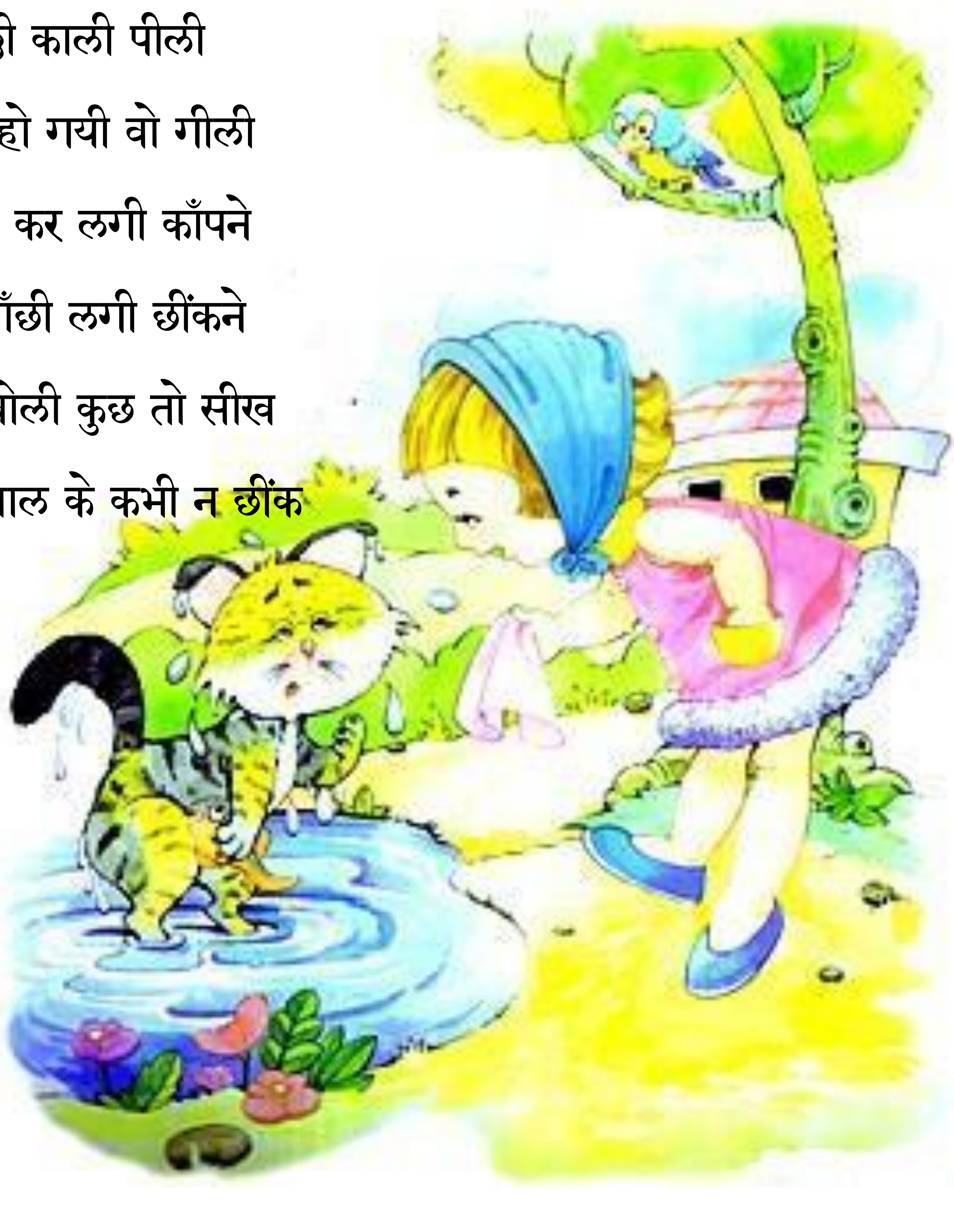

बिल्ली को हो गया जुकाम

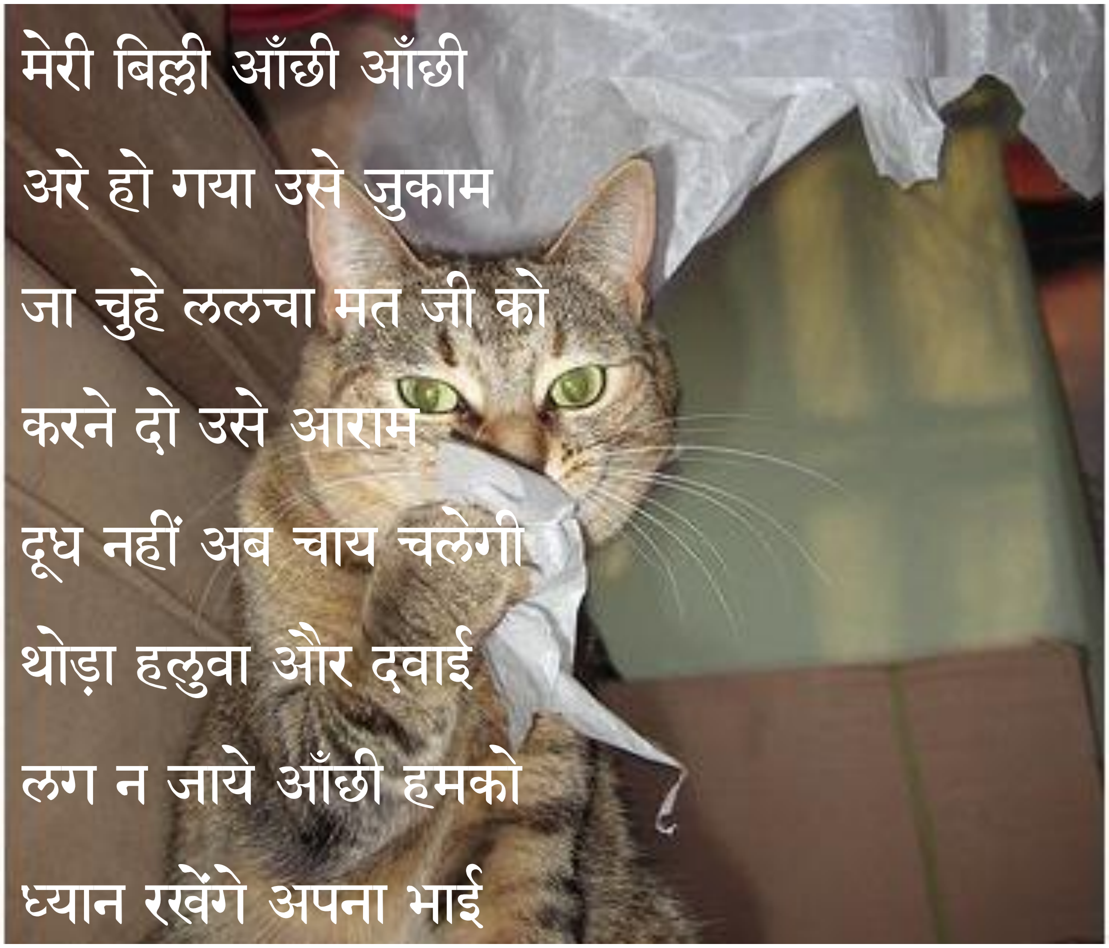

डाक्टर देखो भली प्रकार
मेरी बिल्ली पड़ी बिमार
आया इसको तेज बुखार
सौ से ऊपर डिगरी चार
रात को बरसा रिम छिम पानी

उसमे भीगी बिल्ली रानी
गीले कपड़े दिये उतार
फिर भी उसको तेज बुखार
डाक्टर दे दो ऐसी दवाई
ठीक हो जाये मेरी बिल्ली रानी

बिल्ली के गले मे घन्टी

बिल्ली आई, बिल्ली आई,
भागो चूहो बिल्ली आई।

चूहो ने फिर सभा बुलाई,
कौन बाधेंगा गले मे घन्टी?
छोटा चूहा बोला
मैं बाधूँगा गले मे घंटी
अब जब बिल्ली आयेगी
हमको पकड़ न पायेगी

बिल्ली बोली चूहे राम

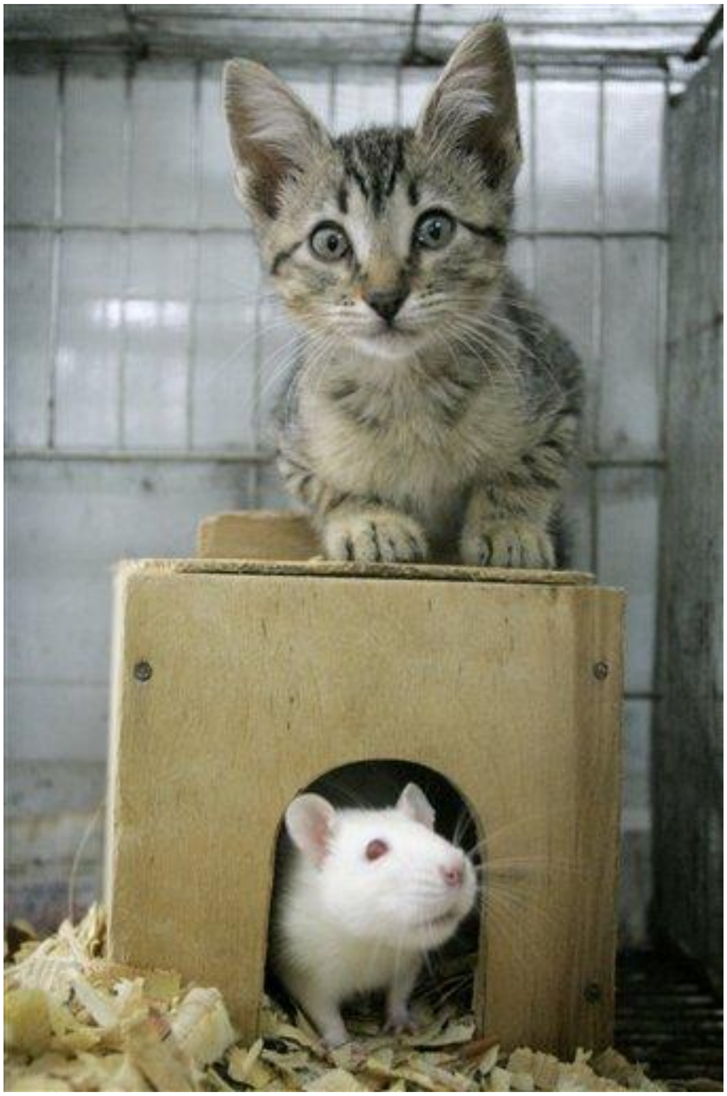

बिल्ली बोली चूहे राम
बाहर आओ तुमसे काम
चूहा बोला अंदर से
मुझे हुआ है तेज जुकाम
ऊपर से बुखार ने झकड़ा
चार दिनो से बिस्तर पकड़ा
बाहर आने मे लाचारी
Sorry मौसी very sorry

भूखी बिल्ली

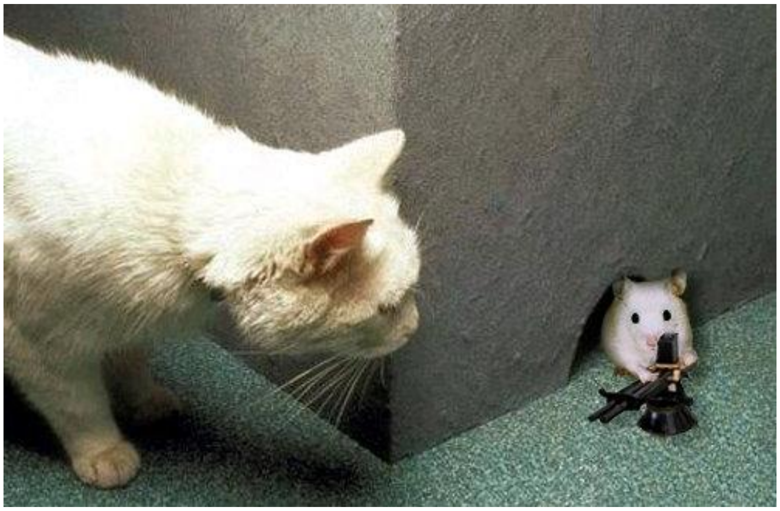

बिल में बैठा चूहा,
अन्दर कैसे जाऊँ।
म्याऊँ म्याऊँ म्याऊँ,
कैसे भूख मिटाऊँ।

बिल्ली मौसी म्याऊँ म्याऊँ
क्या मैं घर के अन्दर आऊँ ?
चुहिया बोली ना ना ना ना
मौसी तुम अन्दर न आना

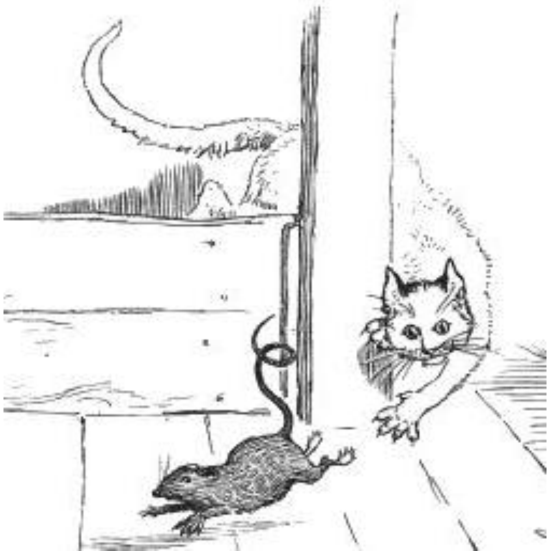

बिल्ली बोली म्याऊँ,
चूहे को मैं खाऊँ
चूहा बोला चूँ चूँ चूँ ,
अपने बिल मे भाग जाऊँ

बिल्ली चूहा भाई बंदर

बिल्ली चूहा भाई बंदर
बैठे थे एक कमरे के अंदर
बिल्ली बोली म्याऊँ
चूहा बोला बिल मे जाऊँ
इतने में आया एक भालू
बोला मैं तुम सब को खालू
लेकिन तीनो थे चालाक
पकड़ी भालू की झट नाक
नाक पकड़ कर खूब घुमाया
भालू ने फिर नहीं सताया

बिल्ली गयी दिल्ली

बिल्ली गयी दिल्ली, दिल्ली में मिला बन्दर
लाल किले के अन्दर, बन्दर ने दी मूगंफली
बिल्ली ले कर उसे चली, रास्ते में था भालू
भालू बोला मैं खाऊँ, बिल्ली बोली झट म्याऊँ
बिल्ली ने मारा पंजा, भालू हो गया गंजा

दो चूहे मोटे

दो चूहे थे, मोटे-मोटे थे, छोटे-छोटे थे

नाच रहे थे, खेल रहे थे, कूद रहे थे

बिल्ली ने कहा, म्याऊँ (मैं आऊँ)

ना मौसी ना, हमें मार डालोगी

फिर खा जाओगी, हम तो नही आएँगे

हम तो भाग जाएँगे

बिल्ली मौसी

बिल्ली मौसी, बिल्ली मौसी,
कहो कहाँ से आई हो ?
कितने चूहे मारे तुमने ?
कितने खा कर आई हो ?
क्या बताऊँ लोमड़ भाई,
आज नहीं कुछ पेट भरा।
एक ही चूहा पाया मैंने,
वह भी बिल्कुल सड़ा हुआ।

चुहिया रानी

चुहिया रानी, चुहिया रानी,
लगती हो तुम बड़ी सयानी।
जैसे हो इस घर की रानी,
तभी तो करती हो मनमानी।
कुतर-कुतर सब कुछ खा जाती,
आहट सुन झट छुप जाती।
जब भी बिल्ली मौसी आती
दुम दबा बिल मे घुस जाती।

आज सोमवार है
चूहे को बुखार है
चूहा गया डाक्टर के पास
डाक्टर ने लगाई सूई
चूहा बोला ऊ ऊ ऊ इ ई

काले कौए ने

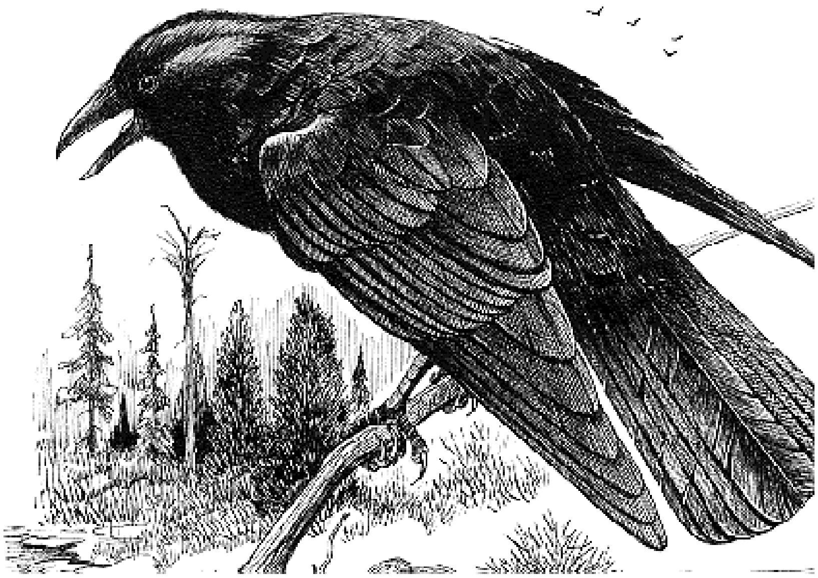

काले कौए ने,
काले पंख पसार
काली स्याई से,
लिखी एक कहानी

उसको पढ़ने आई,
काली चूहिया रानी
कहानी के अंदर थी,
काली बिल्ली रानी

उसको देख डर के भागी,
काली चूहिया रानी।

बिल्ली खूब रोई

बैठे बैठे सो गई बिल्ली रानी,
सपने में आई चूहिया रानी,
बिल्ली कूदी उसे पकड़ने,
गिरी जोर से खूब रोई,
फिर मजे से सो गई।

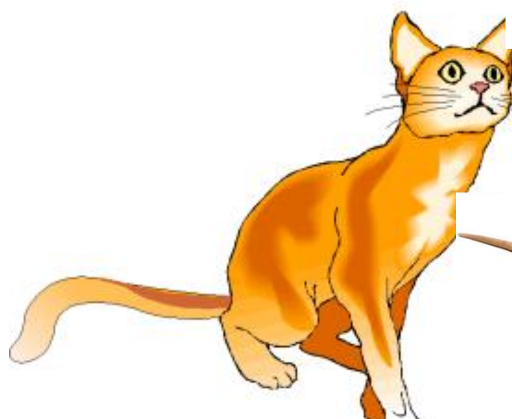

बिल्ली मौसी को भूख लगी
न पकड़ में आई चिड़िया
न पकड़ में आई मछली
चूहा भी भाग गया, बेचारी भूखी ही सोई

कुत्ते की दावत

कुत्ते ने दावत दी
सब सजधज के आये
बिल्ली, बकरी ने पहनी माला
मेंडक, खरगोश ने लगाई टाई
भालू , बंदर ने नाच दिखाया
चिड़ियों ने गाना गाया
सब ने मिल कर मौज मनाई
खाया हलुआ पूरी और मलाई

चला चूहा चाँद को

चला चूहा चाँद को, राकेट पर सवार
साथ में लिये बिस्कुट हजार
हड़भड़ में भूला पानी की बोतल
जब प्यास लगी, तो नीचे कूदा झट
और गिरा जमीन पर जोर से पट

आज इतवार है
चूहे की बारात है
शादी में जायेगें
लड्डू पेड़े खायेगें
खुब मजे उड़ाएगें

भालू की शादी

भालू की शादी में आये,
बन्दर और बटेर।
हाथी आया, अजगर आया,
आया बूढ़ा शेर।
बन्दर ने ढोलकी बजाई,
कोयल ने शहनाई
बिल्ली मौसी बेहद खुश थी,
खाकर दूध-मलाई।

शेर निराला

शेर निराला, हिम्मत वाला,
लम्बी लम्बी मूँछों वाला।
तेज नुकीले दाँतों वाला,
सब का दिल दहलाने वाला।
हटो-हटो आया शेर,
भागो-भागो आया शेर।

भालू और बन्दर

देखो एक मदारी आया

साथ में अपने भालू लाया

भालू ने एक नाच दिखाया

मन को मेरे कितना भाया

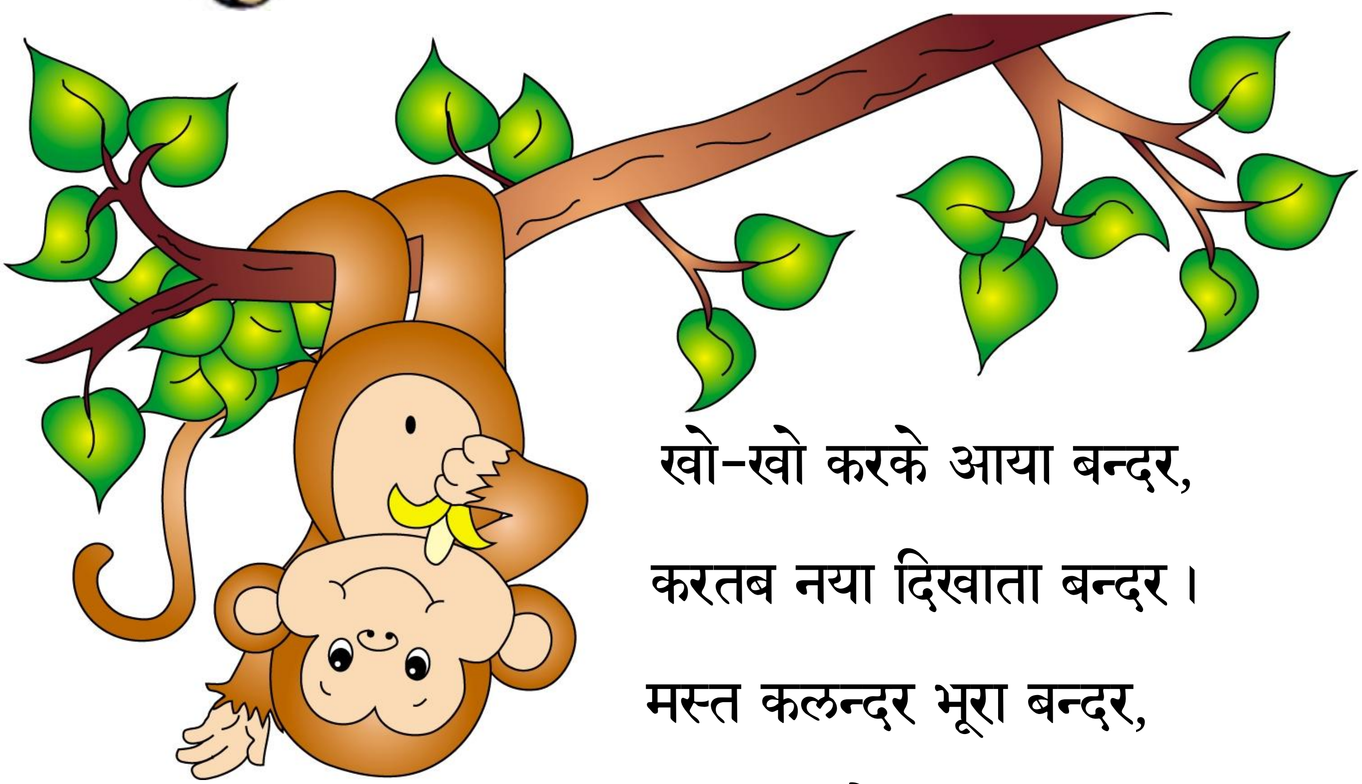

खो-खो करके आया बन्दर,

करतब नया दिखाता बन्दर ।

मस्त कलन्दर भूरा बन्दर,

हम सब को भाता बन्दर ।

बन्दर मामा

बन्दर मामा पहन पैजामा
कुरता डाले निकल पड़े
दिखा नही केले का छिलका
पैर पड़ा तो फिसल पड़े

लाठी लेकर बीन बजाता, बंदर जा पहुँचा ससुराल
मैं आया बँदरी को लेने, कौन पकाये रोटी–दाल?

बन्दर की शादी

बंदर की शादी में हम भी भाई जायेगें,
खूब मस्ती करेगें, खूब धूम मचायेगें।

कुत्ता भैया आयेगा, हलुआ पूरी लायेगा
प्यार से वो बोलेगा, भो... भो... भो...

बिल्ली मौसी आयेगी, रसमलाई लायेगी
प्यार से वो बोलेगी, म्याऊँ... म्याऊँ... म्याऊँ...

शेर दादा आयगें, लड्डू पेड़े लायेगे
प्यार से वो बोलेगें, गुर्र... गुर्र... गुर्र...

डाल पर बन्दर

बैठा था एक डाल पर बन्दर

भीग रहा पानी के अन्दर

थर-थर-थर काँप रहा था

आँछी-आँछी कर रहा था

चिड़िया बोली बन्दर मामा

कहा नहीं क्यों तुमने माना ?

आँछी-आँछी छींक रहे हो

सुन मामा को गुस्सा आया

चिड़िया का घर तोड़ गिराया

चूँ चूँ चूँ चूँ चिड़िया रोई

बैठ डाल पर वो भी सोई

गाजर उगाई

खरगोश ने अपने खेत में

गाजर खूब उगाई

तभी कहीं से बकरी काकी

उधर घूमती आई

बकरी ने जब गाजर देखी

आया मुहँ में पानी

खरगोश ने कहा आओ

काकी, मीठी गाजर खाओ

गाना गाती चिड़ियाँ रानी

चीचीं चूँ चूँ करती चिड़ियाँ,
फुर-फुर उड़ती जाती चिड़ियाँ।
फुदक-फुदक कर गाना गाती,
रोज सबेरे मुझे जगाती।

चड़िया बोली कुट कुट कुट,
दे दो मुझको दो बिस्कुट।
भूख लगी है खाऊँगी ,
खा पीकर सो जाऊँगी।
दूध जलेबी रखी हे,
पर उसमें तो मक्खी है,
कैसे खाऊँ, कैसे खाऊँ।
चलो भूखी ही सो जाऊँ

चूँ चूँ करती आई चिड़ियाँ

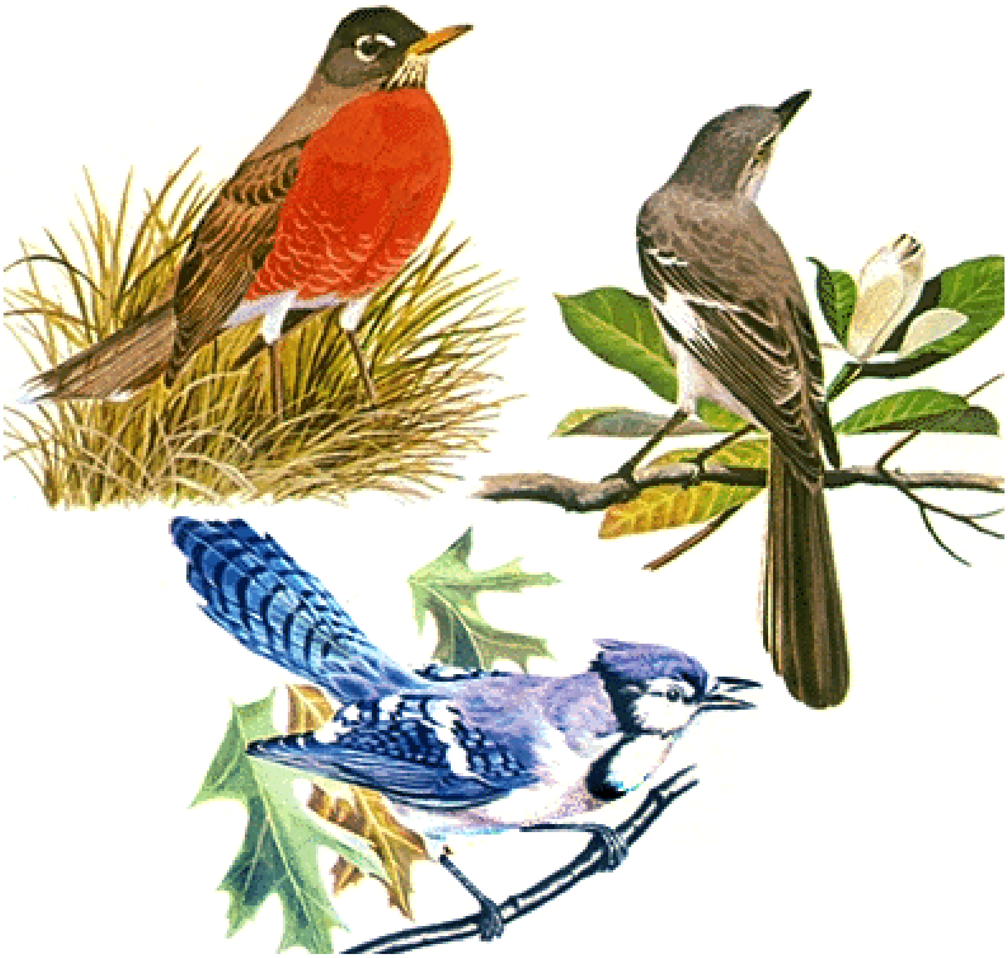

चूँ चूँ करती आई चिड़ियाँ,
गाना गाने आई चिड़ियाँ।
ढब ढब करता आया भालू,
ढोल उठा कर लाया भालू।

भालू ढोल बजायेगा,
ता थैया नाच दिखायेगा।
चिड़ियाँ मौज उड़ायेगी,
फुर फुर कर उड़ जायेगी।

उफ मेरी माई

चिड़िया लाई दाल का दाना
कौआ लाया चावल का दाना
दोनो ने मिल कर खिचड़ी पकाई
तभी वहाँ पर मैना आई
उसने सारी खिचड़ी खाई
चिड़िया बोली "उफ मेरी माई"

रंग बिरंगी चिड़ियाँ

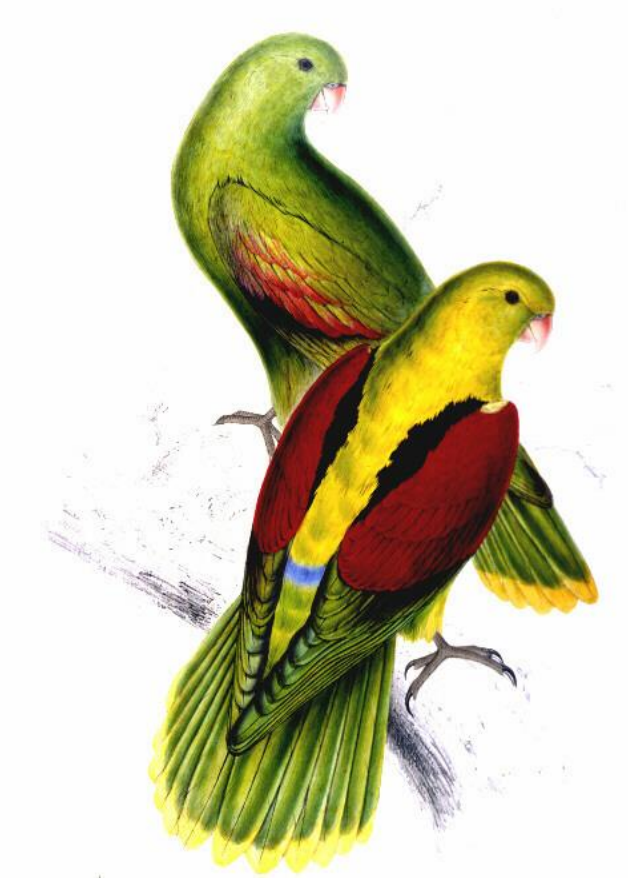

दो चिड़ियाँ हैं रंग बिरंगी,
कितने रंगो में रंगी।
बैठी पंख खुजलाती हैं,
फुदक-फुदक उड़ जाती हैं।

चिड़िया आती, चिड़िया जाती,
नही पकड़ में मेरे आती
तिनके खाती, दाना खाती,
मीठे मीठे गीत सुनाती

दाल का दाना लाई चिड़िया

चुन चुन करती आई चिड़िया
दाल का दाना लाई चिड़िया
मोर भी आया, कौआ भी आया
चूहा भी आया, बंदर भी आया

भूख लगी तो चिड़िया रानी
मूंग की दाल पकाएगी
कौआ रोटी लाएगा
लाके उसे खिलाएगा

चलते चलते मिलेगा भालू
हम बोलेंगे नाचो कालू
मुन्ना ढोल बजाएगा
भालू नाच दिखाएगा

अपना घर सबसे प्यारा

एक चिड़िया के बच्चे चार
घर से निकले पंख पसार
पूरब से पश्चिम को जाते
उत्तर से दक्षिण को जाते
घूम घूम जब घर को आते
अपनी माँ से ये कहते
देख लिया हमने जग सारा
अपना घर है सबसे प्यारा

प्यासा कौआ

एक कौआ प्यासा था
जग में पानी थोड़ा था
कौए ने डाला कंकर
पानी आया ऊपर
कौए ने पीया पानी
खत्म हुई कहानी

चालाक बंदर

बाजार में मिली रोटी
दो बिल्ली में हुई लड़ाई
भागा भागा बंदर आया
उसने पूरी रोटी खाई

चालक खरगोश

मैं जंगल का राजा हूँ

मैं तुम सबको खाऊँ

खरगोश ने सोचा--

कैसे इसको मार भगाऊँ

शेर को कुए के पास लाया

देखकर उसमें अपनी परछाई

शेर कुए के अंदर कूदा

और कभी न वापस आया

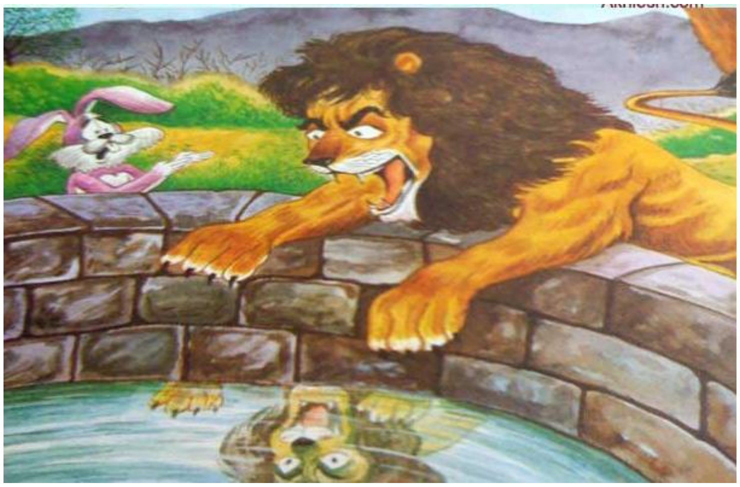

खीर पकाई

खीर पकाई

कौआ लाया दूध

तोता लाया चावल।

कोयल लाई बादाम पिश्ता

चींटी लाई चीनी

सबने मिल कर खीर पकाई, बड़े शौक से उसको खाई।

कछुआ और खरगोश

दौड़ लगी भाई दौड़ लगी
कछुआ और खरगोश की

कूदता-फांदता खरगोश भागा
थका और सो गया

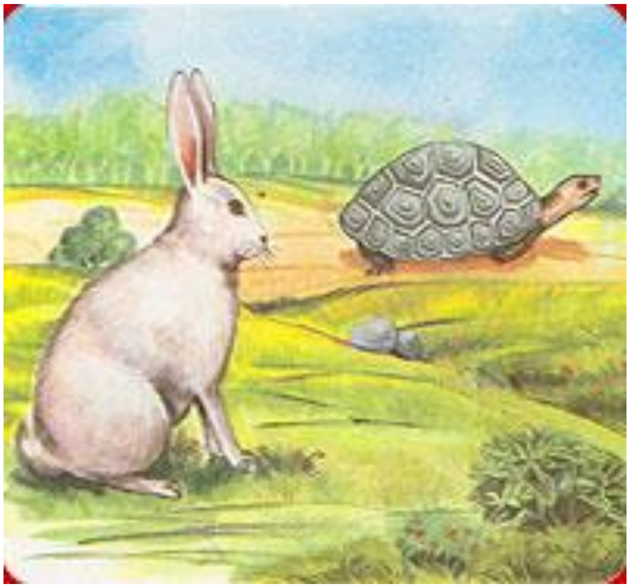

धीरे-धीरे कछुआ चला
और दौड़ जीत गया

शेर और चूहा

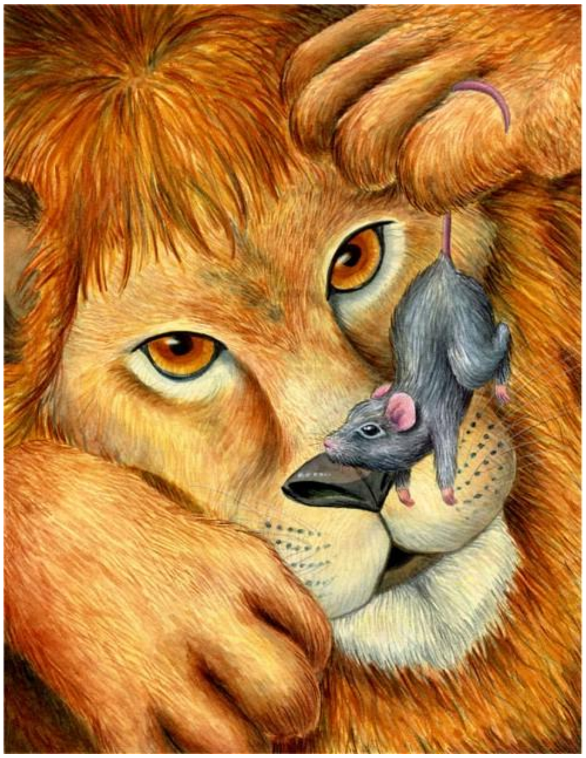

सोते शेर पर कूदा चूहा,
गुस्से से शेर उठा,
चूहे को उसने दबोचा,
बोला चुहा,“छोड़ दो मुझको
कभी काम तुम्हारे आऊँगा”

फंसा जाल में शेर बेचारा,
भागा भागा चूहा आया,
चूहे ने जाल को काटा,
शेर निकल कर उससे भागा।

चालाक लोमड़ी

पेड़ पर बैठा कौआ, दबाये रोटी का टुकड़ा

आई लोमड़ी खूब ललचाई,

बोली -- कौए राजा

एक गाना सुनाओ,

कौए ने गाया गाना--काँव काँव काँव

टुकड़ा गिरा जमीन पर

लोमड़ी ने उसको खाया

कौआ तब खूब रोया

गाँव का चूहा शहर चला

शहर का चूहा गाँव गया

मिलने अपने दोस्त से

बोला – गाँव में क्या रक्खा है,

चलो शहर चले

दोनो मिल कर शहर आये

घूमे फिरे मौज मनाई

जब बैठे खाने को खाना

उछली उनपर बिल्ली कूदी

बोला चूहा - शहर में क्या रक्खा है,

मैं वापस अपने गाँव चला

चूँ चूँ चूहा

चूँ चूँ चूहा बैठा बिल में

उसको खाने आई बिल्ली काली

बिल्ली बोली - निकलो बिल से

खेलेगें हम, कूदेगें हम

चूहे ने कूत्ते को दिखाया

भागी दुम दबा के बिल्ली काली

मुर्गा और हीरा

कुकड़क कूँ कुकड़क कूँ

भूखा हूँ जी, भूखा हूँ

जमीन खोदी, हीरा पाया

बोला – ये तो बेकार है जी

अच्छा होता दाना मिलता

उसको खाता, भूख मिटाता

लोमड़ी और बकरी

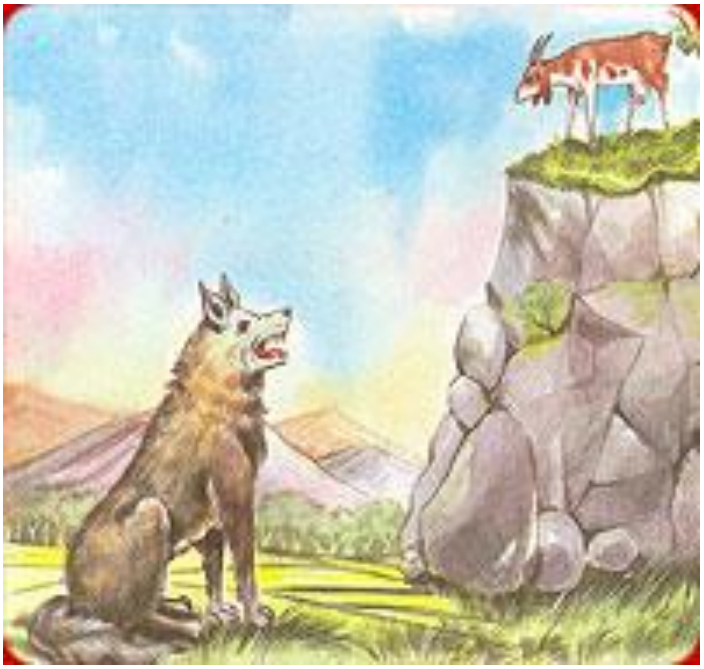

पहाड़ के ऊपर देखी बकरी

लोमड़ी बोली – नीचे आओ

यहाँ घास खूब हरी भरी

बकरी बोली – नीचे जो आऊँ

खाना तुम्हारा बन जाऊँ

मैं ऊपर ही भली

बेवकूफ बकरी दो

नदी के ऊपर पुल था
उस पर जाता बस एक जना
एक बकरी इधर से आई
एक बकरी उधर से आई
एक बोली- पहले मै जाऊँ,
दूसरी बोली- पहले मैं जाऊँ
दोनो में हुई खूब लड़ाई
और दोनो गिरी पानी में !

मोर नाचा

नाच मोर का सबको भाता
जब वह पंखो को फैलाता
किहूँ किहूँ का शोर मचाता
घूम घूम कर नाच दिखाता

जगंल में मोर नाचा,
इसने देखा, उसने देखा
उसके सुंदर पंख निराले
हमारे मन का हैं भाते

आलू बोला

आलू बोला मुझको खालो,
मैं तुमको मोटा कर दूंगा।
पालक बोली मुझको खालो,
मैं तुमको ताकत दे दूंगी।
गोभी,मटर,टमाटर बोले,
अगर हमें भी खाओगे,
खूब बड़े हो जाओगे।

गाजर और टमाटर

बच्चों खाओ कच्ची गाजर
नींबू खीरा और टमाटर
लाल लाल तुम बन जाओगे
सुंदर बच्चे कहलाओगे

आलू कचालू

आलू कचालू बेटा, कहाँ गये थे
बैंगन की टोकरी में सो रहे थे
बैंगन ने लात मारी, रो रहे थे
मम्मी ने प्यार किया, हंस रहे थे

टमाटर बड़ा मज़ेदार

हा टमाटर बड़ा मज़ेदार!

एक दिन टमाटर को हो गया बुखार

आलू चाचा ने किया उपचार

भिंडी दीदी ने किया बड़ा प्यार!

आलू की सगाई

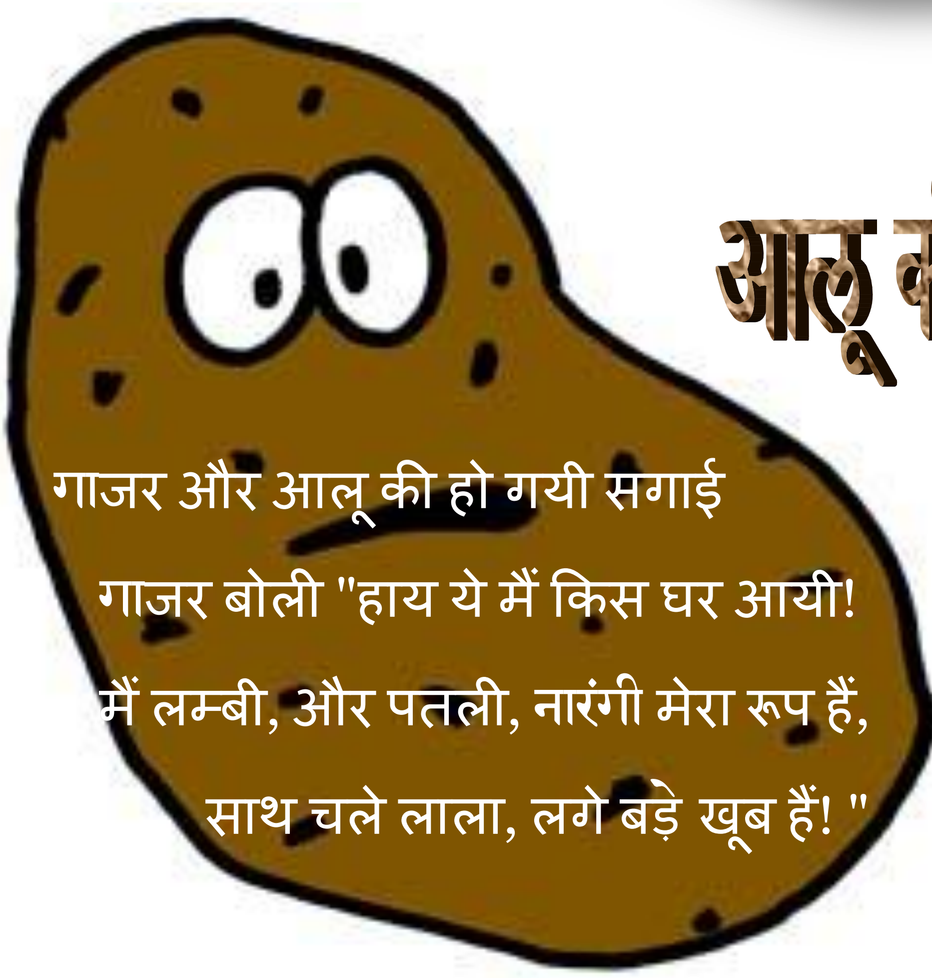

गाजर और आलू की हो गयी सगाई

गाजर बोली "हाय ये मैं किस घर आयी!

मैं लम्बी, और पतली, नारंगी मेरा रूप हैं,

साथ चले लाला, लगे बड़े खूब हैं! "

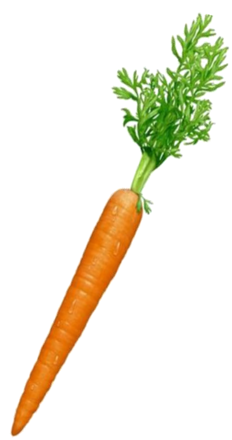

टमाटर आए जी

बैंगन मूली सेम करेला
आम संतरा बेर और केला
मूंगफली आलू अमरूद

धूम मचाते उछलकूद
साथ टमाटर आए जी
आलू मिर्ची चाय जी

ये तो है बादाम

पेड़ तो था सेब का
लेकिन निकल आये आम
पर जब खाया तो पाया
ये तो है बादाम !

फल

आम और अंगूर सुहाते
मीठे मीठे केले भाते
हैं अमरूद और अनार लुभाते
बड़े मजे से हम फल खाते

पीला रंग-रसीला आम
होता बड़ा रसीला आम।
चूसो खाओ ताजा आम
सभी फलो का राजा आम।

चंदा मामा दूर के

चन्दा मामा दूर के पुए पकाएं बूर के

आप खाएं थाली मे हमको दे प्याली में

प्याली गयी टूट हम गये रूठ

हमको मनायेगें दूध मलाई खाएंगे।

चन्दा मामा

चन्दा मामा गोल मटोल,
कुछ तो बोलो, कुछ तो बोलो
कल थे आधे, आज हो गोल,
खोल भी दो अब अपनी पोल।
रात होते ही तुम आ जाते,
संग-साथ सितारे लाते।
लेकिन दिन में कहाँ छिप जाते,
कुछ तो बोलो, कुछ तो बोलो।

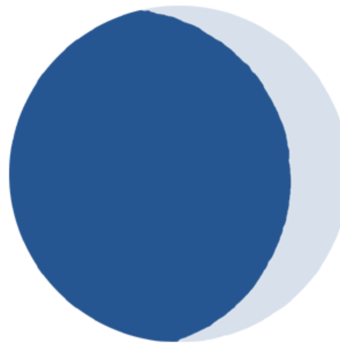

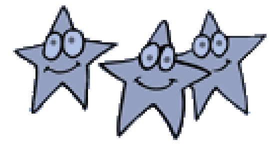

चन्दा मामा आओ ना
दूध-बतासा खाओ ना
मीठी लोरी गाओ ना
बिस्तर में सो जाओ ना
मुझको सुलाओ ना

आसमान में निकले तारे

आसमान में निकले तारे
चंदा मामा कितने प्यारे
देखो इनकी शान निराली
सूरत कितनी भोली भाली
रोज सबेरे छिप जाते हैं
जैसे हमसे शर्माते हैं
आओ चंदा मामा आओ
अपने घर की बात सुनाओ

सो जाओ बेबी

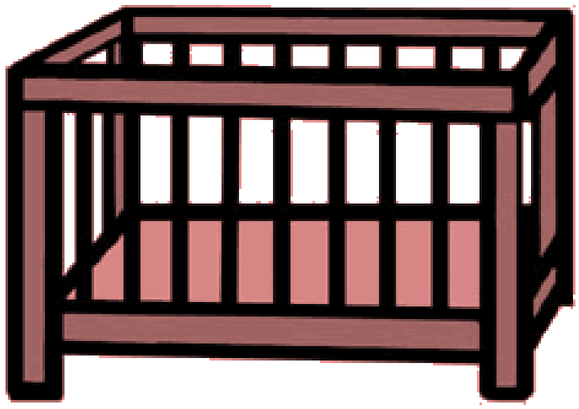

बेबी बेबी सो जाओ
लाल पलंग पर सो जाओ
तेरी मम्मी आएंगी
तुझको दूध पिलायेंगी
तेरे डैडी आएंगे
खेल खिलौने लायेंगे

रेलगाड़ी

छुक-छुक-छुक-छुक धुआँ छोड़ती
खुब सवारी ले कर जाती
काला इंजन लाल हैं डिब्बे
हटो रेलगाड़ी आती

सीटी बोली, सरकी रेल
छुक-छुक करती जाती रेल
सफर आसान बनाती रेल
सभी जगह पहुँचाती रेल

बारिश आई

बारिश आई छम छमा छम,

लेकर छाता निकल पड़े हम

पैर फिसला, गिर गये हम

नीचे छाता, ऊपर हम

बच्चों की रेल

बच्चों की यह रेल है, बड़ा मजेदार खेल है।

ये कोयला नही खाती है, भाती इसे मिठाई है।

यह नही छोड़ती धुआँ, मुड़ जाती देख कर कुआँ।

चलते-चलते जाती रुक, छुक-छुक छुक-छुक

छुक-छुक, छुक-छुक।

चीकू चाचा ने केला खाया

चीकू चाचा ने केला खाया,

केला खाके मुँह पिचकाया,

मुँह पिचका कर छड़ी उठाई,

छड़ी उठा कर कदम बढाया,

कदम के नीचे छिलका आया,

चीकू चाचा गिरे धड़ाम,

हड्डी पसली दानो टूटी,

मुहँ से निकला हाय राम !

ऊपर छाता नीचे हाथी

ऊपर छाता

नीचे हाथी

खाता है मूंगफली

मूंगफली में दाना नही

बंदर उसका नाना नही

हाथी आता हाथी जाता

धम्मक धम्मक आता हाथी

धम्मक धम्मक जाता हाथी

जब पानी में जाता हाथी

भर भर सूड़ नहाता हाथी

मेरी रोटी किसने खाई

मेरी रोटी किसने खाई ?

भालू ने ---

भालू तो मेरे साथ था

हाथी ने ---

हाथी तो मेरे साथ था

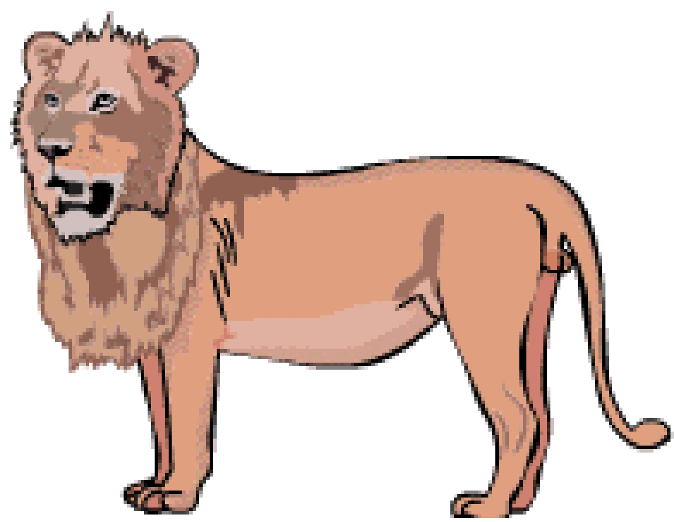

शेर ने ---

शेर भी मेरे साथ था

मैंने खाई ----

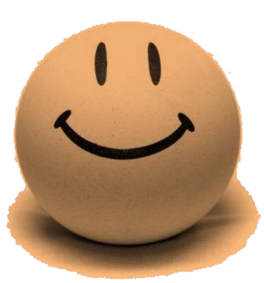

ऊँट चला

ऊँट चला भाई ऊँट चला
हिलता डूलता ऊँट चला
इतना ऊँचा ऊँट चला
बालू है तो होने दो
बोझ ऊँट को ढोने दो
नही फिसलेगा बालू में
बालू में भी ऊँट चला
जब थक कर बैठेगा ऊँट
किस करवट बैठेगा ऊँट
बता सकेगा कौन भला
ऊँट चला भाई ऊँट चला

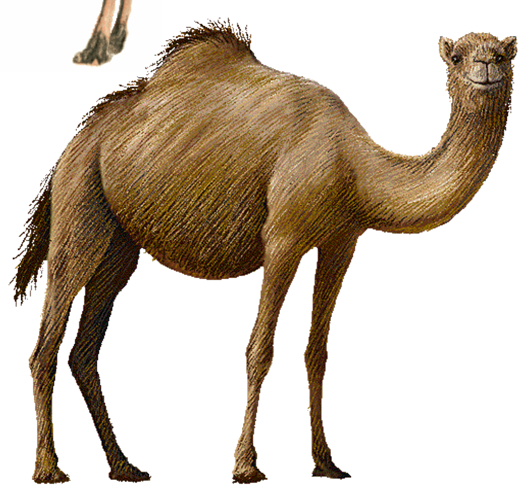

सुनाता हूँ एक कहानी

सुन लो सुनाता हूँ तुमको एक कहानी

हम गये बाजार लेने को आलू

आलू वालू कुछ ना मिला, पीछे पड़ गया भालू

हम गये बाजार लेने को लड्डू

लड्डू वड्डू कुछ ना मिला, पीछे पड़ गया टट्टू

रसगुल्ला

आओ भाई आओ

क्यों भाई क्यों

एक चीज मिलेगी

क्या भाई क्या

रसगुल्ला ! वाह भाई वाह

खरगोश

खरगोश बाग में रहता है

गाजर मूली खाता है

केला उसको भाता है

ऊछल कूद मचाता है

भाग दौड़ करता है

हम सबको भाता है

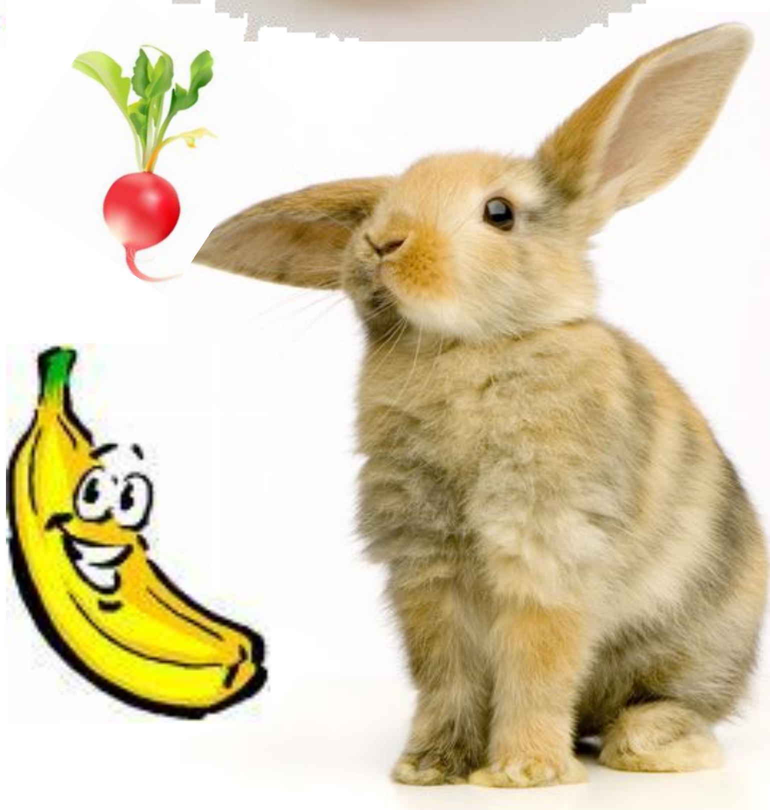

मैं हूँ नन्ही भेड़

छोटी सी हूँ प्यारी सी हूँ
मैं हूँ नन्ही भेड़
नाम है मेरा मुनमुन
घंटी बजी टुन टुन
दौड़ के आई सुन सुन

शेर है भाई शेर

किसकी गर्दन सबसे लम्बी ?

ऊँट की भाई ऊँट की

किसके बदन में धारी?

ज़ेबरा की भाई ज़ेबरा की

किसकी आँखे बहुत प्यारी ?

हिरण की भाई हिरण की

कौन है इन सबका राजा?

शेर है भाई शेर है

सब गोलम गोल है

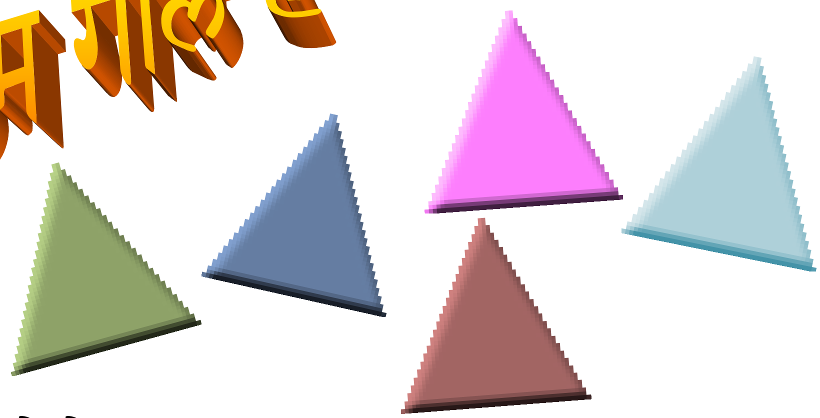

मैं तीन कोनो वाला हूँ
नाम है मेरा तिकोना

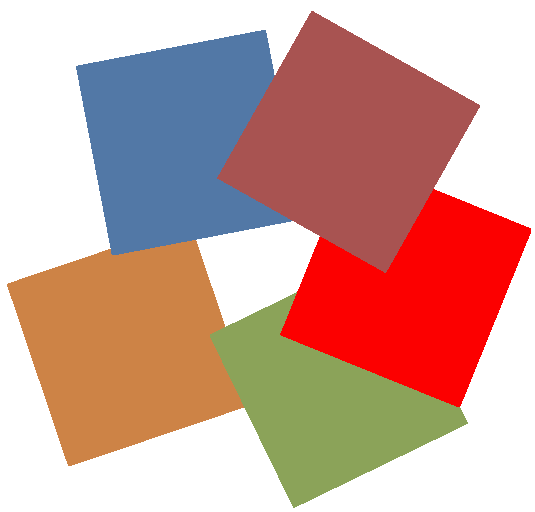

मैं चार कोनो वाला हूँ
नाम है मेरा चकोर

मैं गोल हूँ, गेंद जैसा
सिक्का गोल, सूरज गोल
सब गोलम गोल है

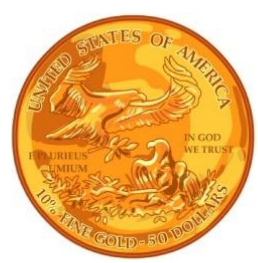

तोता

एक दो तीन तोते बैठे डाली पर

एक गया साइकिल चलाने

रह गये दो

एक गया रोलर स्केट पर

रह गया एक

और वो थक के सो गया

गिनो मछली पांच

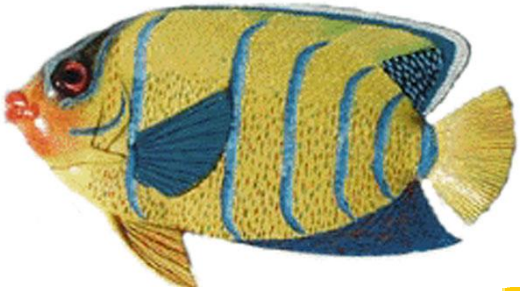

एक मछली नीली

उसको मिली मछली पीली

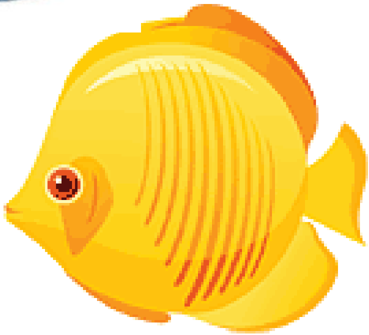

दो मछली नीली पीली

उनको मिली मछली हरी

तीन मछली नीली पीली हरी

उनको मिली मछली नारंगी

चार मछली नीली पीली हरी नारंगी

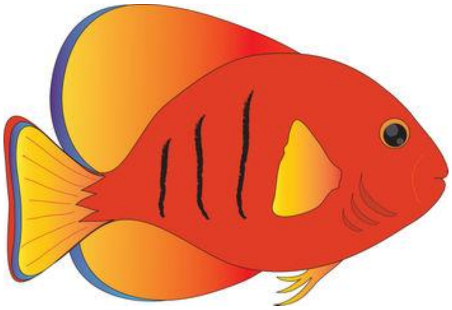

उनको मिली मछली गुलाबी

पाँच मछली नीली पीली हरी नारंगी गुलाबी

गई बाजार और खाई खूब मिठाई

१ २ ३ ४ ५

सरकस आया

कुत्ते राजा ने पढ़ी किताब

हाथी राजा ने बजाया डमरू

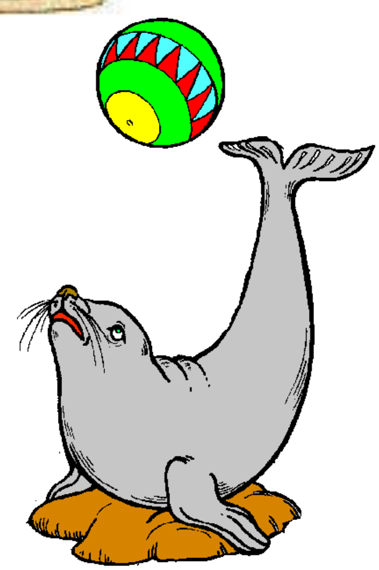

मछली रानी ने उछाली गेंद

बिल्ली रानी ने दिखाया नाच

तेज चली मेरी नाव

जल्दी जल्दी दौड़े आओ
रंग बिरंगे कागज लाओ
सुन्दर सी एक नाव बनाकर
मिलजुल कर उसे तैराओ

चलेगी अपनी नाव
कभी न थकेगी अपनी नाव
आगे बढ़ती जायेगी
पार हमें ले जायेगी

उड़ी चली मेरी पतंग

हवा में उड़ी मेरी पतंग
तेज चली मेरी पतंग
न जाने कँहा जायेगी
जोर से कट जायेगी
फिर न वापस आयेगी

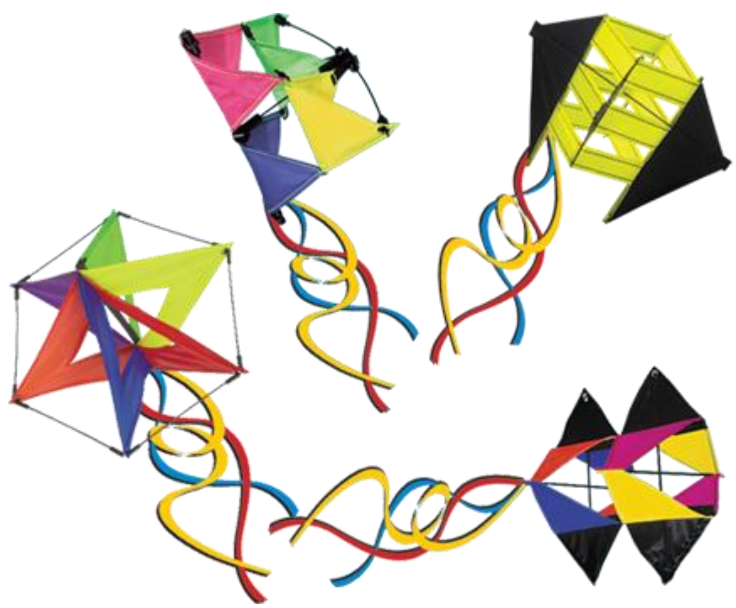

गुब्बारे लाया

मैं आया, गुब्बारे लाया
लाल लाल, नीले नीले
हरे हरे, पीले पीले
कुछ छोटे हैं, कुछ मोटे हैं
कुछ लम्बे हैं, कुछ पतले हैं
आओ इनसे खेलो तुम
हवा में इनको उड़ओ तुम

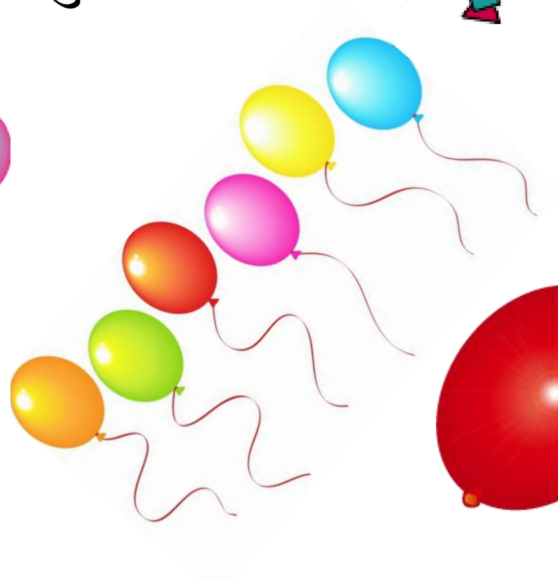

हम भाई हम

कौन बोलेगा मीठे बोल

हम भाई हम

कौन बनेगा सबका साथी

हम भाई हम

कौन करेगा सबको प्यार

हम भाई हम

कौन हंसेगा खूब

हम भाई हम

गीत बहुत मजेदार

आओ आओ, सुनो तुम सब भी
ये गीत प्यारे प्यारे